

13/8/24

प्राचीन स्वेय जबिने चरिषपवत
के उपरिचा होकरे प्रा. पत्र
पत्रावणी सुमवका प्रकटा किने
पत्र पर पत्रावणी आण लक्षण
की जाकर पत्रावणी पत्रावणी
पत्र पर बाबा ज्ञानेश. पत्र
विज्ञा किने प्रा. का प्रकटा
करे विवेक किना ह कि प्राची/
वशवाव अशचीन का अणु का
मोनीन एशियो के बीच के
करे इष्ट प्रकटा विकलाव
करे मोनीन इष्ट प्रकटा का चरिषा
वही चाहे बी इष्ट करे पर
विज्ञा किने प्रा. अणु प्राचीन
करे की कृपा की।
पत्र पर प्राचीन का आवणिक
किना होया प्राचीन का प्राचीन
पत्र कृपा किना जाण न्यायवा
प्रती होया
हता प्राचीन प्रा. पत्र कृपा
किना जाकर प्रा. पत्र अणु प्राचीन
विषय का विज्ञा करे की अणु प्राचीन
प्रदान की जाण बी पत्रावणी
पुस्तक इष्ट होकरे इष्ट करे
का करे बी सुधा हावण देपल

दांफु देवी

दीनी देवी

J. D. S. S. S.

Devi

(दिनेस चरिषा)

[Signature]

13/8/24



अधिकारी
जयपुर